

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

- Options shown in green color and with ✓ icon are correct.
- Options shown in red color and with ✗ icon are incorrect.

Question Paper Name:	INSCRIPT 4th Aug 2018 Shift1
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2018-08-04 13:46:57
Duration:	25
Show Result On Console:	No
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	93249410
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	93249422
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	93249422
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 932494235 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes

	Actual
Group Number :	2
Group Id :	93249411
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	93249423
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	93249423
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 932494236 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना १९४४ में अमरीका के ब्रेटन वुड शहर में विश्व के नेताओं के एक सम्मेलन के दौरान हुई थी। ये दोनों संस्थाएं ब्रेटन वुड संस्था के नाम से भी जानी जाती हैं। दूसरे महायुद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय अर्थ व्यवस्थाओं को दोबारा पटरी पर लाने के लिए इन संस्थाओं का गठन किया गया था। मगर इन दोनों वित्तीय संस्थाओं की भूमिका अलग अलग रही है। विश्व बैंक ऋण देने वाली एक एेसी संस्था है जिसका हेतु विभिन्न देशों की अर्थ व्यवस्थाओं को एक व्यापक विश्व अर्थ व्यवस्था में शामिल करना और विकासशील देशों में गरीबी उन्मूलन के प्रयास करना है। विश्व बैंक नीति सुधार कार्यक्रमों और परियोजनाओं के लिए ऋण देता है। मगर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष केवल नीति सुधार कार्यक्रमों के लिए ही ऋण देता है। इन दोनों संस्थाओं में एक फर्क ये भी है कि विश्व बैंक केवल विकासशील देशों को ऋण देता है जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के संसाधनों का इस्तेमाल निर्धन राष्ट्रों के साथ-साथ धनी देश भी कर सकते हैं। शुरुआत में विश्व बैंक बांध निर्माण और राजमार्ग के निर्माण जैसी विशिष्ट परियोजनाओं के लिए ऋण देता था। लेकिन अब इसने नीतियों में आम सुधारों के लिए भी ऋण देना शुरू कर दिया है। विश्व बैंक का नियंत्रण इसके १८० ते ज्यादा सदस्य राष्ट्रों के हाथ में है। सदस्य राष्ट्र विश्व बैंक के शेयर धारक भी होते हैं और इसकी नीतियों संबंधी फैसले भी वहीं करते हैं। इन देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले गवर्नरों के बोर्ड ये फैसले करते हैं। विश्व बैंक के तहत पाच संस्थाएं काम करती हैं जिसमें अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक प्रमुख है। विश्व बैंक विकात कार्यक्रमों के लिए आवश्यक धन दो तरीके से जुटाता है। इस धन का कुछ हिस्सा धनी देशों के योगदान के तहत आता है। वहीं अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक वित्तीय बाजारों में शेयरों के व्यापार और निवेश के जरिए भी धन जुटाता है। दरअसल विश्व बैंक से दिए जाने वाले ऋण का आधे से अधिक हिस्सा इसी तरीके से जुटाया जाता है। गरीबों की सहायता विश्व बैंक का मुख्य हेतु है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पर अक्सर ये आरोप भी लगते हैं कि इनके ऋण शर्त की जंजीर से बंधे होते हैं। वैश्वीकरण का विरोध करने वाले संगठनों का कहना है कि इन दोनों ही संस्थाओं ने धनी देशों के दबाव में आकर वैश्वीकरण को बढ़ावा दिया है। कई वैश्वीकरण विरोधी कार्यकर्ता इन वित्तीय संस्थाओं पर आरोप लगाते रहे हैं कि ऋण की एवज में गरीब राष्ट्रों को धनी राष्ट्रों के उत्पादों के लिए अपने बाजार पर दबाव डाला जाता है। उनका कहना है कि आर्थिक सुधार कार्यक्रम के नाम पर वैश्वीकरण के इस रूप का गरीब राष्ट्रों की अर्थ व्यवस्था पर बुरा अतर पडा है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes